शिव आरती

भगवान शिव की पूजा

[ऑडिओ प्लेयर]

गुरुदेव सिद्धपीठ में संगीत मण्डली द्वारा गाई गई।

©(p) २०१७ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।
कृपया कॉपी, रिकॉर्ड या वितरित न करें।

ध्रुवपद

श्री गंगा जी को धारण करने वाले भगवान हर [शिव] की जय! गिरिजा के स्वामी की जय!
गौरीनाथ भगवान शिव की जय! हे शम्भो! मेरा पालन-पोषण कीजिए।
हे जगदीश! कृपा करके मेरी सदैव रक्षा कीजिए। ॐ हर हर हर महादेव।

१

कैलास पर्वत के ऊपर वाले वनों में कल्पवृक्षों के वन हैं। वहाँ की लताओं और कुंजों में सुन्दर भ्रमरों की मधुर गुंजार होती रहती है। वह स्थल कोयल की कुहुक ओर हंसों का क्रीड़ा-स्थल है, वहाँ मोर अपने सुन्दर पंखों को फैलाकर नृत्य करने में मस्त रहते हैं। ॐ हर हर हर महादेव।

२

उस सुन्दर और वैभवशाली स्थल पर एक बड़ा सुन्दर, रत्नों से जड़ा हुआ महल है
जहाँ गौरी आनन्द में मग्न होकर भगवान शिव के चारों ओर खेलती, नृत्य करती हैं
और आनन्द में डूबकर भगवान शिव को प्रसन्न करती हैं व स्वयं उन्हीं के भाव में लीन हो जाती हैं।
इन्द्र और ब्रह्मा आदि — जिनकी अन्य देवता पूजा करते हैं —
स्वयं सिर झुकाकर आपको नमन करते हैं। ॐ हर हर हर महादेव।

३

देव-पत्नियों के हृदय आनन्द से भरे हैं और वे झूम-झूमकर नृत्य करती हैं।
किन्नरगण सप्त स्वरों में गान कर रहे हैं। मृदंग और वीणा का मधुर संगीत गुंजायमान है।
मधुर-मधुर बाँसुरी बज रही है। ॐ हर हर हर महादेव।

४

चमकती हुई पायलों के छोटे-छोटे घुँघरू अपनी मधुर रुनझुन की ध्वनि कर रहे हैं।
कुमारिकाएँ गोल-गोल घूमकर गीत गाते हुए नृत्य कर रही हैं और उनकी करताल तथा
चुटकियों के स्वर अति मधुर लग रहे हैं। ॐ हर हर हर महादेव।

५

कर्पूर की श्वेत आभा और चमकीले वैभव वाले पंचमुखी शिव विराजमान हैं।
तीन नयनों वाले, माथे पर जिनके अर्धचन्द्र विराजमान है, जो गले में सर्पों की माला धारण करते हैं,
सुन्दर जटाओं वाले हैं, जिनके भाल पर अग्नि धधक रही है — ऐसे ये शिव हाथ में डमरु, त्रिशूल और
पिनाक नामक धनुष और एक हाथ में नरकपाल लिए हुए हैं। ॐ हर हर हर महादेव।

६

शंखनाद और घण्टे-घड़ियाल के मधुर नाद सुनाई पड़ते हैं। ब्रह्मा और विष्णु वेदमन्त्रों का पाठ कर रहे हैं और आरती कर रहे हैं। अपने हृदय में भगवान के चरण-कमलों को स्थापित करके, भगवान को, कल्याणकारी शिव को सभी देवता निहार रहे हैं। ॐ हर हर हर महादेव।

७

नरकपालों की माला धारण किए, साँपों को जनेऊ बनाकर पहनने वाले शिव के वामांग में सुन्दर गौरी विराजमान हैं, ऐसे शिव का पूरा शरीर बड़ा सुन्दर है और उस पर भस्म लगा हुआ है। उनका नन्दी [बैल] ध्वज की तरह खड़ा है। शिव तीनों तापों का नाश करने वाले करुणा के सागर हैं, कल्याण करने वाले हैं। ॐ हर हर हर महादेव।

८

हम आपका ध्यान करते हैं। आप भक्तों के हृदयों में विलास करते हैं और त्रिजटा के भगवान हैं। जो इस आरती का प्रतिदिन संगीतमय पाठ करता है उसे शिव जी का सान्निध्य सहज ही प्राप्त हो जाता है। ॐ हर हर हर महादेव।

ध्रुवपद

श्री गंगा जी को धारण करने वाले भगवान हर [शिव] की जय! गिरिजा के स्वामी की जय! गौरीनाथ भगवान शिव की जय! हे शम्भो! मेरा पालन-पोषण कीजिए। हे जगदीश! कृपा करके मेरी सदैव रक्षा कीजिए। ॐ हर हर हर महादेव।

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।